1. मनोरजंन में रहो तो कभी भी मुरझायेंगे नहीं।
2. ईश्वरीय फखुर में रहो तो कोई भी फिक्र नहीं होगा।
3. सबका शुक्रिया करो तो शिकायत नहीं होगी।
4. सर्व उपकारी बनो तो कोई अपकार नहीं करेगा।
5. ठाकुर बनो तो कोई ठोकर नहीं मारेगा।
6. बाबा की मोहब्बत में रहो तो मेहनत समाप्त हो जाएगी।
7. ईश्वरीय मौज में रहो तो कभी मुझेंगे नहीं।
8. अपनी शान में रहो तो कभी परेशान नहीं होंगे।
9. सदा उल्लास में रहो तो आलस्य आ नहीं सकता।
10. याद की मस्ती में रहो तो फरियाद समाप्त हो जाएगी।
11. ईश्वरीय संबंध में रहो तो सर्व बंधन समाप्त हो जायेंगे।
12. नयनों में एक बाप को समा दो तो कोई पाप नहीं होगा।
13. सदा स्वमान में रहो तो कोई अपमान नहीं करेगा।
14. लग्न में मग्न रहो तो विघ्न खत्म हो जायेंगे।
15. सेवा में बिजी रहो तो मेवा मिलता रहेगा।
16. सेवा का चांस लो तो चांसलर बन जाओगे।
17. पोजीशन में रहो तो ऑपोजीशन समाप्त हो जाएगी।
18. व्यर्थ पर विन करो तो वन नंबर में आ जायेंगे।
19. व्यर्थ को समर्थ में परिवर्तन करो तो तूफान तोहफा बन जायेंगे।
20. सीट पर सेट रहो तो अपसेट नहीं होंगे।
21. सोने की दुनिया को स्मृति में रखो तो रोना नहीं पड़ेगा।
22. दिलखुश मिठाई खाते रहो तो कभी दिलशिकस्त नहीं होंगे।
23. ईश्वरीय नशे में रहो तो निशाना ठीक लगेगा।
24. निश्चयबुद्धि बन कर रहो तो सदा निश्चिन्त रहेंगे।
25. परमात्म छत्रछाया में रहो तो माया की छाया कभी पड़ नहीं सकती।
26. ट्रस्टी होकर रहो तो गृहस्थीपन का बोझ समाप्त हो जाएगा।
27. आशाओं का दीपक जलाकर रखो तो निराशा समाप्त हो जाएगी।
28. बिन्दू बनो तो बाप समान सिंधु बन जायेंगे।
29. ड्रामा के राज को जान लो तो कभी भी नाराज नहीं होंगे।
30. फ्युचर को सदैव सामने रखो तो फीचर भी रॉयल हो जायेंगे।
31. फाइनल लक्ष्य को सामने रखो तो समस्याओं की फाइल समाप्त हो जाएगी।
32. रिफाईन बन जाओ तो फाइन नहीं भरना पड़ेगा।
33. ईश्वरीय कायदे में रहो तो फायदा ही फायदा है।
34. बाप के संग में रहो तो माया तंग कर नहीं सकती।
35. बाप के रंग में रंगे रहो तो माया का जंग लग नहीं सकता।
36. स्वपरिवर्तन की चिंता करो तो बाकि सब चिंतायें दूर हो जायेंगी।
37. मेहमान बन कर कर्म करो तो महान आत्मा बन जायेंगे।
38. आसक्ति से दूर रहो तो माया आ नहीं सकती।

39. श्रीमत के अनुसार विधिपूर्वक कार्य करो तो सिद्धि सहज ही प्राप्त हो जायेगी।
40. बाबा की याद में शुद्ध अन्न खाओ तो मन सुमन बन जायेगा।
41. अनुमान की बीमारी छोड़ दो तो हनुमान समान उड़ने लग जायेंगे।
42. निराकार राम की सच्ची सीता बन कर रहो तो आराम मिलेगा।
43. बाप पर बलिहार जाओ तो गले का हार बन जायेंगे।
44. भगवान पर कुर्बान जाओ तो सब अरमान पूरे हो जायेंगे।
45. ईश्वरीय फरमान पर चलो तो सफलता का वरदान मिलता रहेगा।
46. अपनी आदतों को श्रेष्ठ बना दो तो अदालत में नहीं जाना पड़ेगा।
47. देह से न्यारा बनो तो बाप, परिवार वा संसार के प्यारे बन जायेंगे।
48. देह रूपी फर्श के भान को छोड़ो तो अर्शनिवासी बन जायेंगे।
49. सर्व खजानों का स्टॉक सदा भरपूर रखो तो सेकेण्ड में स्टॉप लगा सकेंगे।
50. अगर मगर करना छोड़ दो तो मगरमच्छ रूपी माया आ नहीं सकती।
51. अलंकारीमूर्त बन कर रहो तो अहंकार समाप्त हो जाएगा।
52. अपनी अवस्था अच्छी हो तो सारी व्यवस्था अपने आप हो जाएगी।
53. सत्शिक्षक की शिक्षा पर चलते रहो तो सब प्रकार की रक्षा होती रहेगी।
54. गॉड को निरंतर याद करो तो गुड बन जायेंगे।
55. तपस्या की अग्नि सदा प्रज्जवलित रहे तो समस्या छू मंत्र हो जाएगी।
56. सेवा में कमाल करनी है तो कोमल बनना छोड़ दो।
57. पुकार करना छोड़ दो तो बापदादा का पुचकार मिलता रहेगा।
58. वन, वन, वन को याद रखो तो नबंर वन विन कर लेंगे।
59. बीती बातों को पास कर सदा बाप के पास रहो तो पास विद् ऑनर बन जायेंगे।
60. शंकर समान तपस्वी बनो तो सभी शंकाएं मिट जायेंगी।
61. मन में शुद्ध संकल्पों का खजाना भरपूर रखो तो माया से युद्ध करना समाप्त हो जाएगा।
62. माया को अपना दास बना दो तो कभी उदासी आ नहीं सकती।
63. क्या, क्यों, कैसे, ... की मात्राओं को छोड़ दो तो याद की यात्रा सहज हो जाएगी।
64. मन्सा, वाचा, कर्मणा बाप के सहयोगी बनो तो सहजयोगी बन जायेंगे।
65. स्वयं पर तरस करो तो माया तिरस्कृत हो जाएगी।
66. बैस्ट चिन्तन में रहो तो वेस्ट थॉटस समाप्त हो जायेंगे।
67. ज्ञान, योग, धारणा, सेवा का शौक रखो तो सभी प्रकार के शोक समाप्त हो जायेंगे।
68. विस्तार को बिन्दू लगा दो तो सारस्वरूप बन जायेंगे।
69. बाप की नजरों से निहाल होने की स्मृति रहे तो कभी बेहाल हो नहीं सकते।
70. सहनशक्ति को अपना आभूषण बना लो तो शहनशाह बन जायेंगे।
71. कमलफूल समान न्यारे प्यारे रहो तो पुरूषार्थ का प्रत्यक्ष फल खुशी और सन्तुष्टता मिलता रहेगा।
72. योगयुक्त होकर भाषण करो तो सर्वशक्तिवान बाप की भासना अनुभव करा सकते हो।
73. रूहानी जोश में रहो तो माया सदा के लिए बेहोश हो जाएगी।
74. साक्षीद्रष्टा स्थिति में स्थित रहो तो साक्षात्कार होने लग जायेंगे।
75. मन को बिजी रखने का प्रोग्राम बना दो तो प्रोग्रेस होती रहेगी।
76. रूप को न देख रूह को देखो तो सदा रूहों की दुनिया का अनुभव होता रहेगा।

77. बाप के नजदीक रहो तो नाजुकपने के संस्कार समाप्त हो जायेंगे।
78. श्रीमत का उल्लंघन करना छोड़ दो तो जीवन भविष्य 21 जन्मों के लिए उज्जवल बन जायेगा।
79. नाज नखरे करना छोड़ दो तो भविष्य के नजारे नजर आयेंगे।
80. ब्रह्मा बाप समान एक्जाम्पल बन कर रहो तो हर एक्जाम में पास हो जायेंगे।
81. ईश्वरीय रूहाब के साथ रहमदिल सेवा करो तो रूहानियत आ जाएगी।
82. रूहानियत में रहो तो रोब समाप्त हो जाएगा।
83. वर्तमान और भविष्य के अन्तर को समझ लो तो मनमनाभव का मंत्र सहज स्मृति में रहेगा।
84. रूहानी बाप से रूहरूहान करते रहो तो जीवन में रौनक आ जाएगी, रोना बंद हो जाएगा।
85. उड़ती कला की बाजी में रहो तो बहानेबाजी समाप्त हो जाएगी।
86. बापदादा की डायरेक्शन पर चलते रहो तो जीवन में परफेक्शन आ जाएगी।
87. सिम्बल बन कर रहो तो सबके लिए सैम्पल बन जाएंगे।
88. स्वउन्नति की डायरी बनाओ तो डर समाप्त हो जाएगा।